Table of Contents

1. □□□□□-□□□□□□ □□ □□□□□□
2. □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□

विदाई-संभाषण का सारांश

विदाई-संभाषण बालमुकुंद गुप्त की व्यंग्यात्मक रचना 'शिवशंभु के चिट्ठे' का एक अंश है। इस पाठ में वायसराय लॉर्ड कर्ज़न के शासनकाल का अंत और उस दौरान भारत में अंग्रेज़ों के अत्याचारी शासन की स्थिति का चित्रण किया गया है। लेखक ने भारतीयों की बेबसी, दुख और लाचारी को व्यंग्यात्मक शैली में प्रस्तुत किया है। पाठ में यह दिखाया गया है कि शासन के अत्याचारी रूप से सभी—सामान्य जनता से लेकर वायसराय तक—कष्ट में हैं। यह गद्य उस समय के प्रेस पर पाबंदी के दौर का साहसिक उदाहरण है, जिसमें विनोद, चुलबुलापन और संजीदगी का समन्वय है।

मुख्य बिंदु

- लॉर्ड कर्ज़न के शासनकाल का अंत और उसकी विफलताएँ।
- भारतीय जनता की पीड़ा और शासन की निरंकुशता।
- प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध।
- व्यंग्य और विनोद के माध्यम से सामाजिक-राजनीतिक आलोचना।
- शासन और प्रजा के बीच द्वंद्व।

Prepzy

पाठ्य प्रमाण

"माइ लॉर्ड! अंत को आपके शासन-काल का इस देश में अंत हो गया..." से लेकर "...आप कर सकते हैं और यह देश आपकी पिछली सब बातें भूल सकता है, पर इतनी उदारता माइ लॉर्ड में कहाँ?" तक का पूरा अंश।

हल किए गए उदाहरण

पाठ में लॉर्ड कर्ज़न के शासनकाल की विफलताओं और भारतीय जनता की पीड़ा को व्यंग्यात्मक भाषा में प्रस्तुत किया गया है। उदाहरण के लिए, "आपका पद छूट गया तथापि आपका पीछा नहीं छूटा है" वाक्य से उनकी स्थिति की व्यंग्यात्मक व्याख्या होती है।

अभ्यास प्रश्न

- **□□□:** □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□?
- **□□□□□□:** □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□?
- **□□□□:** □□ □□□□□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□?

□□□□□□ □□□□□□

- □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ 1899-1905 □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□
- □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□, □□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□
- □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□

□□□□□□□ □□□□□□□

- □□□□□□ □□□□□□□: □□□□□□□□ □□□□□□□□, □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□□□□□ □□□□
- □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□: □□ □□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□
- □□□□□□□□: □□□□□□□□-□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□

□□□□□□□□□□

- □□□□□□□□□□□ - □□□□□□ □□□□□ □□□□□
- □□□□□□□□□□□□□ - □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□
- □□□□□□ - □□□□, □□□□□□
- □□□□□□□ - □□□□□ □□□□
- □□□□□□□□□ - □□□□□□□□□□□□□
- □□□□□□□ - □□□□□ □□□□
- □□□□□□□ - □□□□□□□
- □□□□□□ - □□□□□□□ □□□□□
- □□□□□□□□□ - □□□□□□
- □□□□□□□ - □□□□□
- □□□□□ - □□□□□, □□□□
- □□□□□□□□ - □□□□□□
- □□□□ - □□□□□□□□□□

Prepzy

[illegible]

[illegible] 1865 [illegible]

[illegible]

- [illegible]: [illegible]-[illegible]-[illegible], [illegible], [illegible], [illegible]
- [illegible]: [illegible], [illegible], [illegible]
- [illegible], [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

"[illegible]..." [illegible] "...[illegible]" [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

- **[illegible]:** [illegible]?
- **[illegible]:** [illegible]-[illegible]?
- **[illegible]:** [illegible]

[illegible] [illegible]

- [illegible] 1865 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible], [illegible], [illegible]
- [illegible] [illegible] [illegible], [illegible]

[illegible] [illegible]

- [illegible]: [illegible] [illegible]
- [illegible]: [illegible] [illegible]
- [illegible]: [illegible]

[illegible]

- [illegible] - [illegible]
- [illegible] - [illegible]
- [illegible] - [illegible]
- [illegible] - [illegible]
- [illegible] - [illegible]

Prepzy